HR14-2-4-HI

सृष्टि से कदम ब कदम भाग 4

आज द एंकरबर्ग शो मे हम उन लोगो केलिए जवाब देंगे जिन्होनो विज्ञान केलिए अपनी मसीही विश्वास का त्याग किया है. कही भी, किसी दौरान आपको यह विश्वास दिलाया गया कि आजके आधुनिक विज्ञान के सामने बाइबल मे लिखी सृष्टि की रचना सामंजस्य स्थापित नही कर पाएगी. लेकिन आज की शृंखला मे हम इस तर्क को प्रस्तुत करेंगे की नये विज्ञानिक प्रमाण दरअसल आपको परमेश्वर पर विश्वास करने पर अग्रसर करेंगे. आगे हम उस स्वाल का उत्तर देंगे की, क्या हम कुदरत के लिखित प्रमाण और पवित्र वचन के लिखित प्रमाण के बीच सहमती की उम्मीद कर सकते है?

डा। वाल्टर कैसर: ज़रूर करना है क्योंकि एक ही लेखक है. मेरा मतलब है कि आप एक इमारत को देखो जो एक शिल्पकार ने बनाई है और एक और इमारत जो उसी शीप्लकार ने बनाई है,आप कहेंगे ये फ्रैंक लाय्ड राइट की इमारत है. आप ब्रह्मांड को देखो,उसका निर्माण परमेश्वर ने किया है. हर जगह पर लिखा है,यह नही की यूयेसे मे बना है लेकिन जीवित प्रभु ने बनाया है. आप वचनो को देखो वो भी प्रभु से आए है. अब लेखक तो एक ही है, अनुवादक दोनो पर काम करते है. अनुवादक असहमत होंगे

लेकिन सबूत नही, प्राकृतिक हक़ीकत नही. प्राकृतिक हक़ीकत ही उसी प्रभु से आती है. नही तो हम सर्जन के सिद्धांतो को फेंक देते थे, नही तो हम प्रेरणा को फेंक देते थे, जो न चूकने वाले प्रभु का वचन है. हम किसिको भी नही फेंक सकते है क्योंकि यह दोनो ही जीवित प्रभु से आए है.

मेरे आज के मेहमान है खगोल-विज्ञानी डॉक्टर ह्यू रॉस, जिन्होंने पाई है, पी एच दी, खगोल विद्या मे, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरोंटो से और उत्तर डाक्टरी खोज कसार पे कॅल टेक मे की. वे कई पुस्तको के लेखक है, उनकी नयी पुस्तक के सहित, "उतपति मार्ग निर्देशन". हम उनसे भी सुनेंगे जो यहूदी विद्वान है डॉक्टर वॉल्टर काइज़र, वो मनुष्य जिसे पुराने करार और यहूदी भाषा के दुनिया के बहुत ही सुविज्ञ प्राधिकारियो ने सिखाया है. शामिल होइए और सुनिए कि कैसे आधुनिक वैज्ञानिक सबूत बाइबल मे लिखी सृष्टि की रचना जो उतपति १ और २ मे हे के साथ सहमत होता है. इस विशेष एडिशन मे द जॉन अंकेरबेर्गशो.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम मे स्वागत है, वापस आज हम आपके लिए विशेष लाए है. हुमारे मेहमान हे खगोल विज्ञानी और खगोल भौतिक विज्ञानी डॉक्टर ह्यू रॉस. और मुझे शुरआत करने दो सबको एक सवाल पूछकर और वो है क्या हम विज्ञान और बाइबल के बीच अनुकूलता की उम्मीद रख सकते है? आप क्या सोचते हो, सबसे पहले, बाइबल उस सवाल के बारे मे क्या कहता है. परमेश्वर बाइबल मे क्या कहता है? और फिर ह्यू जैसे लोग जो खगोल विज्ञानी और खगोल भौतिक विज्ञानी है उनकी उम्मीद क्या है? और अब उनको क्या पता है?

और आज के दिन की शुरुआत मे करना चाहूँगा एक वृत्तचित्र जो इंजील हिब्रू विद्वान डॉक्टर वॉल्टर काइज़र का है. और मैने डॉक्टर काइज़र और ह्यू दोनो के साथ कुछ प्रोग्राम किए है. हमने उन्हे वाद विवाद मे भी शामिल किया था. और यह सवाल बार बार उपर आया था. तो में चाहता हूँ कि में उस सवाल से शुरआत करू जो मैने उनसे पूछा था और फिर उनका जवाब. ये संक्षेप मे है इसलिए ध्यान से सुनिए. ये देखिए.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: मुझे तुम दोनो से पूछने दो, हक़ीकत ये है की आप जब वचन को लेते हो , ठीक है, आप विज्ञान को लो, तो क्या ये देखना ग़लत होगा की अनुकूलता है की नही? क्या अनुकूलता होनी चाहिए? वॉल्टर?

डा। वाल्टर कैसर: ज़रूर, हमे होनी चाहिए. वही लेखक है. मेरा मतलब है आप एक इमारत को देखो जो एक शिल्पकार ने बनाई है और एक और इमारत जो उसी शीप्लकार ने बनाई है,आप कहेंगे ये फ्रॅंक लाय्ड राइट की इमारत है. आप ब्रह्मांड को देखो,उसका निर्माण परमेश्वर ने किया है. हर जगह पर लिखा है,यह नही की यूयेसे मे बना है लेकिन जीवित प्रभु ने बनाया है. आप वचनो को देखो वो भी प्रभु से आए है. अब लेखक तो एक ही है, अनुवादक दोनो पर काम करते है. अनुवादक असहमत होंगे

लेकिन सबूत नही, प्राकृतिक हक़ीकत नही. प्राकृतिक हक़ीकत ही उसी प्रभु से आती है. नही तो हम सर्जन के सिद्धांतो को फेंक देते थे, नही तो हम प्रेरणा को फेंक देते थे, जो न चूकने वाले प्रभु का वचन है. हम किसिको भी नही फेंक सकते है क्योंकि यह दोनो ही जीवित प्रभु से आए है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ह्यू, मैं बहुत खुश होता हूँ वॉल्टर को यह सब बाते कहते हुए सुनकर. और में तुम्हे एक खगोल विज्ञानी और खगोल भौतिक विज्ञानी की हेसियत से पूछना चाहूँगा की क्या तुम सहमत हो?

डॉक्टर ह्यू रॉस: बिल्कुल , मेरा मतलब है की, परमेश्वर ने हमे प्रकृति की पुस्तक दी है, हमे पवित्र ग्रंथ की पुस्तक दी है, और आप ये बेलजिक कन्फेशन मे देख सकते हो की परमेश्वर ने हमे अपने आप को व्यक्त करने केलिए दो पुस्तके दी है. मैं वॉल्ट के साथ सहमत हूँ, भी, कि विज्ञान मनुष्य का प्रकृति के अभिलेख का अनुवाद करने का प्रयास है और धर्म शास्त्र मनुष्य के पवित्र ग्रंथ का अनुवाद करने का प्रयास है और मनुष्य के अनुवाद के कारण उसमे असहमति हो सकती है. लेकिन प्रकृति की पुस्तक और

पवित्र ग्रंथ की पुस्तक मे असहमति नही है क्योंकि वे दोनो एक ही परमेश्वर से आते है. अगर हम विज्ञान और धर्म शास्त्र कहाँ पर असहमत होते है वो देखे तो वो हमे मार्ग दिखाएगा जहाँ से हमे और भी सत्य जानने को मिलेगा जो अभी हमारे कब्ज़े मे नही है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हम पिछले कई प्रोग्राम मे, यह दिखाने की कोशिश कर रहे है कि वे अनुकूल है. और वो, वास्तव मे, उत्पति का पहला अध्याय बहुत ही आसान शब्दो मे पूर्ण संतति के लिए है उसे जटिल योजना और विचारो से भरा जो तुम्हे एक एक खगोल विज्ञानी और खगोल भौतिक विज्ञानी होकर सही लगा. लेकिन फिर भी एक चीज़ है जो अलग जगहो से उभर आती है नास्तीको के बीच कि चौथे दिन मे क्या हुआ? जबकि बाइबल कहता है.

फिर परमेश्वर ने कहा, दिन को रात से अलग करने के लिये आकाश के अन्तर में ज्योतियां हों; और वे चिन्हों, और नियत समयों, और दिनों, और वर्षों के कारण हों। और वे ज्योतियां आकाश के अन्तर में पृथ्वी पर प्रकाश देने वाली भी ठहरें; और वैसा ही हो गया। परमेश्वर ने दो बड़ी ज्योतियां बनाईं; उन में से बड़ी ज्योति को दिन पर प्रभुता करने के लिये, और छोटी ज्योति को रात पर प्रभुता करने के लिये बनाया: और तारागण को भी बनाया। परमेश्वर ने उन को आकाश के अन्तर में इसलिये रखा कि वे पृथ्वी पर प्रकाश दें, तथा दिन और रात पर प्रभुता करें और उजियाले को अन्धियारे से अलग करें: और परमेश्वर ने देखा कि अच्छा है। तथा सांझ हुई फिर भोर हुआ। इस प्रकार चौथा दिन हो गया. अगर वैज्ञानिक तरीके से देखा जाए तो हमे समस्या हो सकती है अगर हम चार या पाँच दिन लेते है वहाँ पहुचने मे कहाँ जगत मे और हमारी पृथ्वी के चारो ओर हम तेज़ी से सूरज, चाँद और तारे पर गिरने वाले है. आप इसका अनुवाद कैसे करोगे?

डॉक्टर ह्यू रॉस: हाँ जॉन, तुम उस वाक्य का उदाहरण दे रहे हो जो नास्तीको ने बहुत बार उद्धृत किया है यह साबित करने केलिए की बाइबल परमेश्वर का वचन नही है. वे कहते है यह विज्ञानिक बकवास है. आप कैसे सूर्य को पौधो के पीछे आते हुए मान सकते हो? पौधे रोशनी और गर्मी के बिना जी नही सकता. पृथ्वी अक्षिकूप मे स्थिर नही हो सकती सूर्य की आकर्षण शक्ति के बिना. और वो लोग कटे की बाइबल मे पहले अध्याय मे ही ग़लत लिखा है तो फिर बाकी के पर विश्वास क्यो करे?

लेकिन गलिलियो ने कहा है की बाइबल का ग़लत अनुवाद आप तब करोगे जब आप को मुद्दा समज़मे नही आया हो. और यहाँ पर ही उत्पति बिल्कुल स्पष्ट है. उत्पति १:१ ब्रह्माण्ड के बारे मे बात करती है और उत्पति १:२ वो आदर्श सिद्धान्त ब्रह्माण्ड से पृथ्वी के धरातल पर बदल देता है. तो हमे ६ दिन का हिसाब उस दृष्टिकोण से समझना है. तो ऐसा है की परमेश्वर पृथ्वी के धरातल से उपर बादलो को देखता है और ६ दिन के पहले जल सीमा क्षेत्र पर अंधेरा छाया है. क्योंकि वायुमंडल रोशनी को बाहर जाने नही देते थे. और अय्यूब ३७-३९ ६ दिन के समान्तर है. वहाँ सुस्पष्टता से कहता है की वहाँ अंधेरा था परमेश्वर ने समुंदर को बादलो से आवृत किया था.

तो सृजन का पहला दिन वायुमंडल को पारभासी से पारदर्शी मे परिवरतित किया. और सृजन के चौथे दिन पे परमेश्वर वायुमंडल को पारभासी से परिवर्तित करते है जो हमेशा केलिए मेघयुक्त है, जहाँ पर वो बादल टूटते है, और पहली बार प्राणिओ ने पृथ्वी के धरातल पर सूर्य, चंद्र और तारो को देखा जिसकी परमेश्वर ने छ: दिन पहले रचना की थी. इसलिया उत्पति १ जो सिखाता है और जो स्थापित विज्ञानिक अभिलेख घोषित करता है उसके बीच मतभिन्नता नही है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: आप जानते है, मैं आश्चर्यजनक हूँ की हमारे पास उत्पति मे इतनी जानकारी है फिर भी बहुत सारे मसीही और जो मसीही नही है उनको नही पता की सच मे

सनसनी खेज खबर क्या है. आपको कई सम्मेलनो मे आमंत्रित किया है जहाँ पर सात सौ से ज़्यादा प्राध्यापक या सात सौ लोग जो वास्तव मे अज्ञेयवाद है या फिर वे जो उत्पति १ के बारे मे अविश्वास रखते है. और आप ब्रेक के दरमियान मुझे यह बता रहे थे की लोग कैसे आलोचना करते है जब उन्हे समझ मे आता है की परमेश्वर इस पाठ मे क्या कहना चाहता है. उन कुछ सम्मेलनो मे क्या हुआ?

डॉक्टर ह्यू रॉस: हाँ, क्या होता है जब में श्रोतागण से बात करता हूँ, कहे तो कई सारे नास्तीको से, तो ऐसा है की, हमने इन सबूतो के बारे में नही सुना है. हमने उत्पति का यह अनुवाद पहले कभी नही सुना है. और मुझे इससे यह साँझ में आ रहा है की मसीही को अपने विश्वास का सबूत देने के लिए सुसज्जित नही किया गया है. और बहुत तरीके मे देखा जाए तो वो परेमशवर के विर्रुद्ध

मे बहस नही है. नास्तीको मात्र हमारे मसीही विश्वास को पेश करने की युक्ति पर बहस करते है. में आपको कह सकता हूँ कि विशेष करके जो प्रसंग कॅल टेक मे हुआ उसमे हमे उत्तेजक अनुक्रिया मिली. लोग बाद मे मेरे पास आए और कहने लगे कि हमने इस तरह की अनुक्रिया पहले कभी नही सुनी. हमने इस तरह का अनुग्रह पहले बहस मे कभी नही देखा, आपने हमे बहुत कुछ पर सोचने केलिए दिया है. सबसे आम टिप्पणी ये थी की अब में मेरी नास्तिकता मे सुरक्षित नही हूँ.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: तुम जानते हो ह्यू, मैने कुछ बहसे देखी है और कुछ कठिन जगहो पर तुम गये हो, कठिन का मतलब है की शुरुआत से ही संपूर्ण श्रोतागण तुम्हारे दृष्टिकोण के विरुद थे. एक बार मैने देखा कि तुम बात कर रहे थे और तुम्हारे साथ और तीन प्राध्यापक थे. तुमने अगुवाई की और मजबूती से तुम आए, सौम्य से, लेकिन मजबूती से, विज्ञानिक सबूतो का उपयोग किया, उन्होने भी अपनी चीज़े की, वे लोग एक दूसरे से असहमत थे और तुम्हारे साथ भी. और फिर जब श्रोतागण से सवाल जवाब का समय आया तो तुम्हारे पास ९०% श्रोतागण केलिए जवाब था. वे लोग और भी तुमसे बात करना चाहते थे. इन सम्मेलनो के सवाल और जवाब मे क्या मुख्य चीज़े उभर आती है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: हाँ, यह आम तौर पर रोमीयो ५:१२ के मिथ्याबोध से आती है. जो कहता के मृत्यु आदम के पाप के द्वारा आई है. लेकिन आप पूरा पद पढ़ोगे तो ये कहता है" मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई". हम अकेले ही प्राणी है जो पाप का अनुभव करते है. कुत्ते और बिल्ली पाप नही करते. गाय पाप नही करती. तिलचट्टे पाप नही करते. सिर्फ़ हम मनुष्य ही. और वो कहता है "मृत्यु सब मनुष्य पर फैल गयी". वो पद सब सजीव नही कहता है. वो हर मनुष्य कहता है. तो जो दोष आदम ने अदन की वाटिका मे किया वो सारी मनुष्य जाति पर मृत्यु लाई, दैहिक मृत्यु और आध्यात्मिक मृत्यु. लेकिन अगर आप उस पद को बहुत गौर से देखोगे तो वो पौधो और प्राणिओ के बारे मे कहना टालता है. वैसे ही 1 कुरिन्थियों १५ मे वो इसी विषय को संबोधित करता है. जहाँ सॉफ लिखा है कि ये सिर्फ़ मनुष्य का ज़िक्र कर रहा है. और आख़िरकार

हम पौधो और प्राणिओ जो हमारे पहले थे उनकी मृत्यु के लाभभोगी है. वही से तो हमे कोयला, तेल, प्राकृतिक गैस, वही से तो हमे चूना पत्थर मिलता है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: तुम्हे ये सवाल का जवाब देना ही पड़ेगा की जैव जमा कहाँ से आया?

डॉक्टर ह्यू रॉस: बिल्कुल सही, और जैव जमा प्रचुर है. अगर वे प्रचुर नही होते तो हम कभी भी विश्वव्यापी उच्च प्रौद्योगिकी संस्कृति का प्रारंभ कर और उसे बनाए रख नही सकते.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और जैव ईधन वहाँ पर है, सच बात यह है कि वहाँ तक पहुँचने मे वक्त लगा. वहाँ तक पहनचने मे कितना समय लगा?

डॉक्टर ह्यू रॉस: हाँ, कम से कम, ७६ करोड़ शंख टन जैव जमा इस पृथ्वी की पपड़ी पर है. उसके लिए चाहिए, अगर आपने १००% ऊर्जा, योग्य तरीके से सौर ऊर्जा को कब्ज़े मे किया फिर भी आप लाखों साल की बात कर रहे है जैव जमा को जमा करने केलिए.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: बेशक, तो फिर आपत्ति क्या है? समस्या क्या है? यह भावनात्मक लगाव क्या है कि आदम के पाप से पहले प्राणिओ को मरने नही दिया?

डॉक्टर ह्यू रॉस: मुझे ऐसा लगता है की हम मनुष्य इन प्राणिओ के साथ काफ़ी भावुकता से जुड़ या बन्ध जाते है. और हम यह पहचानना चूक जाते है, जैसे अय्यूब दिखाता है, कि परमेश्वर ने इन प्राणिओ को हमे अपने और परमेश्वर के बारे में कुछ सिखाने केलिए दिया है. जैसे इन प्राणिओ का प्रतिरूप अपने साथ बँधने के लिए बनाया है वैसे ही हमारा प्रतिरूप परमेश्वर के साथ बँधने के लिए बना है. जैसे हमारा पाप और दुर्व्यवहार प्राणिओ का हमारे पास आने की बजाय हमसे दूर भागने का कारण बना है वैसे ही हमारा पाप और दुर्व्यवहार हम मनुष्य का परमेश्वर के पास आने की बजाय उनसे दूर भागने का कारण बना. जैसे वे हमारी सेवा और आनंद के लिए बनाए गये थे वैसे ही हम परमेश्वर की सेवा और आनंद के लिए बनाए गये थे. परमेश्वर का हम मनुष्य और भावपूर्ण प्राणिओ के बीच मे घनिष्ट भावनात्मक बंधन की क्षमता देने का कारण यह है कि हम ये समझ पाए की परमेश्वर हमारे साथ कैसा संबंध चाहता है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: कूछ लोगो ने कहा ये थियाडिसी की समस्या है. आप कैसे मान लेते हो की उत्पति १ और २ मे परमेश्वर ने पौधो और प्राणिओ का सृजन किया और अलग चीज़ो का सृजन किया और कहा ये अच्छा है. ये कैसे अच्छा हो सकता है कि प्राणिओ मारे, सफाई करे, झगड़ा करे वगेरा..?

डॉक्टर ह्यू रॉस: उत्पति १ बार बार ये कहता है की परमेश्वर ने जो सृजित किया है वो अच्छा है. परमेश्वर के यह कहने से कि " ये बहुत अच्छा है". लेकिन ईसाई धर्म के बारे मे अद्वितीय बात क्या है कि दो सृजन प्रतिरूप है. परमेश्वर ने ब्रह्मांड की सृष्टि परमेश्वर के हाथो मे एक साधन की तरह की ताकि वो बुराई और पीड़ा को ख़त्म कर सके. जबकि उसी समय मनुष्य के स्वतंत्र इच्छा का निवारण किया ताकि वो ज़्यादा अर्थपूर्ण रहे. और एक बार जब बुराई और पीड़ा पर

विजयी होकर और ख़त्म होता है तब परमेश्वर इच्छुक मनुष्य को एक नये सृजन मे ले जाते है जहाँ पर बुराई और पीड़ा वापस कभी उपस्तिथ नही हो सकती. इसलिए यह बहुत ही अच्छा सृजन है. में उत्तम सृजन पर बहस करूँगा, क्योंकि परमेश्वर ने बुराई और पीड़ा को हमेशा के लिए ख़त्म करना है, लेकिन ये परम सृजन नही है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: सवाल का कुछ अंश इस से संबंध रखता है कि क्या अगर प्राणिओ आदम के पाप करने से पहले ही मरने लगे तो क्या ये किसी भी तरह से येशू मसीह ने पूरी दुनिया के लिए जो क्रूस पर किया उस पर असर करता है क्या? क्या ये प्रायश्चित पर असर करेगा? और मैने ये सवाल डॉक्टर वॉल्टर काइज़र से पूछा जो बड़े इंजील हिब्रू विद्वान है, उनको इस सवाल से पिछले प्रोग्राम मे. में चाहता हूँ की आप ये क्लिप देखे. दिखाइए.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: तो हम इसके बारे मे बात कर रहे कि की आदम के पाप करने से पहले मृत्यु थी? या फिर आदम के पाप ने ना केवल मनुष्य की बल्कि पौधो और प्राणिओ की भी मृत्यु लाई? और अब हम एक दिलचस्प चीज़ के बारे मे बात कर रहे है, तो ये किसी भी तरह प्रायश्चित पर असर करती है. और फिर वह कहते है इबरानियों ९:२२ कहता है," और व्यवस्था के अनुसार प्राय: सब वस्तुएं लोहू के द्वारा शुद्ध की जाती हैं; और बिना लोहू बहाए क्षमा नहीं होती" अब ह्यू तुम मुझे ये समझाओ की क्यों लोगोने यह पकड़ रखा है कि गिरने से पहले अगर कोई प्राणी मरा है या उसके बाद कभी भी तो इसका येशू ने हमारे उद्धार के लिए जो किया उस के उपर असर पड़ता है. या फिर मूसा ने पुराने करार मे कुछ कहा है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: बेशक, वे इबरनियों ९ और १० के इरादे मे बढ़ा रहे है, मेरा मतलब है यह कहता है कि उद्धार सिर्फ़ लहू बहाने से मिलता है, लेकिन अब वह ये दावा करने की कोशिश कर रहे है कि जितना भी लहू बहा वो सब प्रायश्चित से जुड़ा है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ, लेकिन पापो से क्षमा मसीह के लहू बहाने के अलावा नही मिलती है. ये अनुसरण करना ज़रूरी नही है कि सब बहाया हुआ लहू पापों की क्षमा के लिए है

डॉक्टर ह्यू रॉस: ये ज़रूरी नही है की अगर एक मृग झाड़ी मे जाए और चमड़ी पर खरोंच आए और तोड़ा लहू निकले वो प्रयशचित से जुड़ा है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: इस पर में बात करना चाहूँगा.

डा। वाल्टर कैसर: हाँ, यह अजीब बहस है क्यों की में इसमे संबंध नही देखता हूँ. इबरानियों ९ और १० मे मसीह के उँचे याजक का पद और उन पुरष और स्त्री जिनकी अध्यात्मिक मृत्यु हुई है, जो उनके स्वरूप मे बने थे वो जता ने की कोशिश की गयी है. और उनका मतलब ये है कि

बैल और बकरे का लहू पाप नही ले सकता. वो इबरानियों १०: २-४ मे है. और पुराना करार भी ये करने का दावा नही करता. ये साधारण सी बात है पुराने करार में पाप को सिर्फ़ परमेश्वर के वचन से लिया जाता है.

और यहाँ पर बात है जीव के बदले जीव. प्राणी का एवजी जीवन. लेकिन प्राणी अमर नही है. इस प्राणी को बार बार और बार बार मारना पड़ता था. लेकिन मसीह ने आकर सभी के लिए एक बार कष्ट भोगता और अपना लहू बहाया. हम लहू के बारे में साधारण रूप से आधान या जीव का अंतरण सोचते है. ये लहू वो लहू है तो ज़मीन पर गिरा था. तो यहाँ पर लहू, मृत्यु, बलिदान, एवजी, प्रतिनिधिक एवजी के बराबर है. और उनकी बहस यह थी कि सिर्फ़ उनका जीवन त्यागके, स्त्री और पुरुष के लिए एवजी उनका लहू बहाके ही अनन्त जीवन मिल सकता है. लेकिन मुझे नही लगता की हम इसे खिच सकेंगे की हमे ज़ेबरा, हाथी, शेर का उद्धार चाहिए और उनके लिए लहू बहाना पड़ेगा. ये मति- मंद बहस है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: कोई पद नही.

डा। वाल्टर कैसर: नही, में एक पद नही देख सकता हूँ. अगर कोई भी पद कहता है की प्राणिओ का उद्धार लहू बहाने से, जैसे स्त्री और पुरुष का होता है तो में सब असम्मति वापस लेता हूँ. लेकिन जब तक वो पद नही मिलता मैं टीका हुआ हूँ.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: बेशक, ह्यू, ये सुनने के बाद कुछ लोगो केलिए ये पूरा अध्याय है. और इसे वे वचन से साथ बाँधते है. उनकी भावना जो प्राणिओ के बारे मे है उस से बाँधते है. वो दोनो तरफ के रास्तों को सॉफ करदो. हमे डॉक्टर काइज़र ने बताई हुई बातों पर ज़्यादा जानकारी दो.

डॉक्टर ह्यू रॉस: हाँ, मैं कैसे की बातों के साथ यह जोड़ सकता हूँ की आदम पहला पापी नही था. शैतान पहला पापी था. हम यह भी जोड़ सकते है परमेश्वर ब्रह्मांड की रचना से पहले जानते थे कि पाप आनेवाला है. मेरा मतलब है कि, तीमुथियुस में एक पद है कि परमेश्वर के अनुग्रह का जो अनुभव हम अभी कर रहे है, जो समय की शुरुआत होने से पहले रखा गया था. उन्होने पाप को अपेक्षित किया था. और उन्होने पाप क दिमाग़ मे रखकर ब्रह्मांड को रचा. इसलिए आदम ने पाप किया ये कहता है की भूमि तेरे कारण शापित है. परमेश्वर ने ब्रह्मांड का भौतिक रूप नही बदला. उन्होने यह कहा की भूमि पहले की तरह उपज नही दे पाएगी. क्योंकि तुम भूमि का दुष्प्रयोग करने वाले हो. तुम पौधो और प्राणिओ का दुष्प्रयोग करनेवाले हो. इसलिए वो उपजाऊ नही होगी. बाइबल मे सात बार कहा गया है कि जबसे सृजन हुआ है भौतिक विज्ञान का नियम नही बदला है जब तक परमेश्वर विजयी होते है और बुराई को निकालते है.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: क्या तुम शब्द "अच्छा" मे समस्या देख सकते हो, उस संबंध मे जो दर्द और पीड़ा प्राणिओ ने भोगती आदम के पाप करने से पहले?

डॉक्टर ह्यू रॉस: नही, बिल्कुल नही. क्योंकि परमेश्वर ने वचन दिया है की एक बहतर सृजन इस सृजन के बदले मे आने वाला है. परमेश्वर हमे वापस अदन की वाटिका मे नही ले जाएँगे. परमेश्वर ने जन्नत से भी बहतर जगह दिमाग़ मे रखी है उन लोगो केलिए जो उनके साथ अनंत जीवन बिताना चाहते हो.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: हाँ, तो सुसमाचार क्या है वो संक्षेप मे कहो उनकेलिए जो ये विज्ञानिक सृजन के सबूतो को सुन रहे है.

डॉक्टर ह्यू रॉस: बेशक, तो हम अदन की वाटिका मे थे, हम पाप के बिना थे. हमने अपने सर्जक का विरोध करना चुना. लेकिन परमेश्वर के पास पहले से योजना थी, जिस माध्यम से वे गिरी हुई मनुष्य जाती को उस मकाम पर पहुचाए जहाँ से वे वापस कभी भी उनका विरोध न करे और फिर भी उनकी स्वतंत्र इच्छा बढ़े. यह दिमाग़ मे . की भौतिक विज्ञान का नियम हमारी स्वतंत्र इच्छा को अभिव्यक्त करने मे निरोध करता है. परमेश्वर चाहता है की इस सृजन की तुलना में कहीं अधिक हम प्रेम को अभिव्यक्तित कर सके. लेकिंग बुराई पर पहले विजय पानी है. और यह उनके खुद के पुत्र के इस जमी पर आने के द्वारा, और अपने आप को क्रूस पर बलि चढ़ाया ताकि हमे वो उपाय मिल सके. अगर हम पूर्णता पाना चुन रहे है तो हमे वो हमारे मानव प्रयास से नही मिलने वाला.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: लोगो, में आशा रखता हूँ कि आप वो सब सुन रहे हो और उनके बारे मे सोचोगे जो परेमेश्वर हमे कहना चाहता है. और आपका विश्वास मजबूत बन जाएगा जब आप विज्ञान के अभिलेख मे दी हुई तथा बाइबल मे दी हुई जानकारी के बारे मे सोचोगे. और कैसे यह दोनो साथ मिलते है

अब में ह्यू को धन्यवाद देना चाहता हूँ हमारे साथ इस प्रोग्राम्ड मे रहने केलिए. और आपकी विनम्रता और ज्ञान देखना आश्चर्य की बात है. मुझे यकीन है की हमने बहुत सारी बाते सीखी. हमारे साथ आने केलिए और रहने केलिए धन्यवाद.

डॉक्टर ह्यू रॉस: अभिनंदन.

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: और लोगो, बने रहे, ताकि आप सिख सके की कैसे इन ८ प्रोग्रामो मे सीखी सब जानकारी को कैसे हासिल कर सके.

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI